जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

8 अक्तूबर 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया फैकल्टी की ईजाद 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड डस्टबिन' को मिला ऑस्ट्रेलियाई पेटेंट

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के फैकल्टी डॉ. मनसफ आलम और उनकी टीम द्वारा आविष्कार किए गए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डस्टबिन को पेटेंट कार्यालय, ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा बौद्धिक संपदा के रूप में पेटेंट प्रदान किया गया है। डॉ. किरण चौधरी, शिवाजी कॉलेज, डीयू और अन्य संस्थानों के शोधकर्ता भी टीम का हिस्सा थे। डॉ आलम, बिग डेटा, क्लाउड कंप्यूटिंग, IoT प्रयोगशाला, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जामिया में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड डस्टबिन' के आविष्कार का मुख्य उद्देश्य कूड़ेदान को उसमें फेंके गए विस्फोटक, रेडियोधर्मी सामग्री आदि जैसी हानिकारक वस्तुओं का पता लगाने में सक्षम बनाकर उसे स्मार्ट बनाना है। डस्टबिन के साथ सेंसर लगे हैं जो इसमें डंप की गई किसी भी हानिकारक वस्तु के बारे में संकेत भेजकर सूचित करेंगे।

डॉ आलम ने कहा: "हमने इस कूड़ेदान को सुरक्षा पहलू को ध्यान में रखते हुए विकसित किया है जिससे कूड़ेदान इंसानों की तरह व्यवहार करते हैं और कृत्रिम बुद्धि की मदद से बुद्धिमानी से काम करते हैं। यह निश्चित रूप से समाज के लिए एक उपयोगी उत्पाद होगा। "

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया